इकाई - IV

10. कबीर के दोहे

सोचो-बोलो

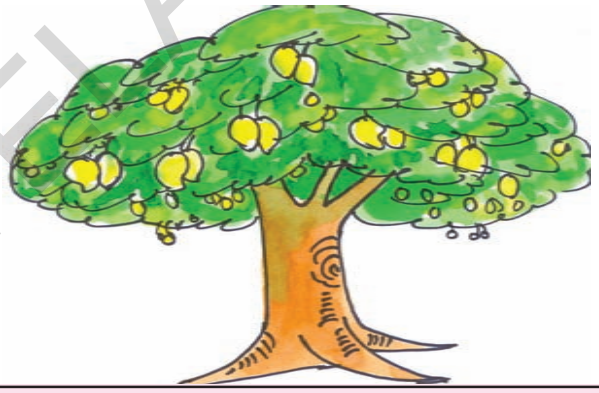

प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है?
2. दोनों पेड़ों में क्या अंतर है?
3. इन दोनों पेड़ों में से कौन-सा पेड़ अधिक उपयोगी है? क्यों?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह कविता पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

कबीर संत कवि हैं। वे समाज सुधारक भी थे। उनके दोहे 'बीजक' में हैं। इनकी भाषा 'सधुक्कड़ी' है। इनके दोहों में मानवता की भावना है।

काल करै सो आज कर, आज करै सो अब।

पल में परलै होयगो, बहुरी करैगो कब।।

बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर।

पंथी को छाया नहीं, फल लागै अति दूर।।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. आपको दोहे कैसे लगे? कोई एक दोहा गाकर सुनाइए।

2. हमारे समाज में क्या-क्या समस्याएँ हैं?

पढ़ो

(अ) कविता पढ़िए और निम्नलिखित भाव किन पंक्तियों में आये हैं? उन पंक्तियों को लिखिए।

- कबीर ने समय से पूर्व काम करने की बात की है।

.....

.....

- बड़ा होने से कुछ नहीं होता। काम बड़े होने चाहिए।

.....

.....

लिखो

(अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. छाया देने वाले पेड़ों के नाम लिखिए।

.....

SCERT TELANGANA

.....

2. हमें अपने साथियों के साथ आपस में कैसा व्यवहार करना चाहिए?

.....

.....

(आ) आप अपना काम समय पर करते हैं। नीचे दिये समय पर आप क्या-क्या काम करते हैं?

सुबह सात बजे : .....

सुबह नौ बजे : .....

दोपहर एक बजे : .....

शाम चार बजे : .....

रात नौ बजे : .....

शब्द भंडार

(अ) शीतल का अर्थ है- ठंडा। दो ठंडी चीजों के नाम लिखिए।

जैसे : बर्फ

.....

.....

विचार-विमर्श

हम अपना शरीर नहीं बनाते हैं। पेड़-पक्षी भी प्रकृति की रचना हैं इसीलिए हमें अपने रंग-रूप पर न तो शर्म आनी चाहिए और न ही गर्व करना चाहिए। हम अपने व्यवहार पर गर्व और शर्म महसूस कर सकते हैं।

SCERT TELANGANA

भाषा की बात

(अ) पढ़िए। अर्थ समझिए।

पल - क्षण　　परलै - प्रलय

नीर - पानी　　आपा - अहंकार

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

(अ) अपना मनपसंद कोई एक नीति वाक्य लिखिए।

.....

.....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं दोहों के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. मैं दोहों का सारांश अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ।		
3. मैं दोहों के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		

समय का बड़ा महत्व है। - *महात्मा गांधी*

विचार-विमर्श

- जब कोई आपके व्यवहार या कौशल की प्रशंसा करता है तब आपको कैसा लगता है?
- जब कोई आपको चिढ़ाता है या नीचा दिखाता है तब आपको कैसा लगता है?
- चिढ़ाने वाले का चरित्र कैसा है? चिढ़ाने वाले व्यक्ति से आप बिना लड़े-झगड़े कैसे निपट सकते हैं?

SCERT TELANGANA